हम स्वर्ग को नहि देख शकते ।
हम परमेश्वर को नहि देख शकते ।
हममें से कइ लोग प्रेम को नहि देख शकते ।
लेकिन प्रेम वास्तविक है ।
ओर परमेश्वर भी वास्तविक मे है ।
ओर स्वर्ग भी वास्तविक है ।